# Souvenir

# 43rd ANNUAL

# METALLIFEROUS

## MINES SAFETY FORTNIGHT OBSERVANCE-2025

Under The Aegis of Directorate General of Mines Safety
Bhubaneswar Regions 1 & 2

HOST

## EASTERN ZONE MINING ASSOCIATION

# सुरक्षा नारे (Safety Slogans)

सुजीत कुमार एक्का

**मुख्य संदेश**

- ध्यान में रखो एक ही बात, अपना सुरक्षा अपने हाथ.
- सुरक्षा से अपना नाता जोड़ो, दुर्घटनाओं से अपना मुँह मोड़ो.
- लापरवाही से अपना जान ना गवाए, सुरक्षा को अपनाएं.
- खतरों को दूर भगाएं, सुरक्षा को गले लगाए.

**सावधानी और सतर्कता**

- सावधानी हटी, दुर्घटना घाटी.
- सुरक्षित जीवन का यही अर्थ है, सुरक्षा के बिना सब व्यर्थ है.
- एक भूल करे नुकसान, छीने खुशियाँ और मुस्कान.
- जरा संभाल के करो काम, कहीं ना हो जाए जीवन की शाम.
- काम करते समय ना करो बात, नहीं तो दुर्घटनाओं से होगी मुलाक़ात.
- जरा देख कर रखो कदम, ज़िंदगी नहीं मिलती हर दम.

**नियम और जिम्मेदारी**

- सुरक्षा से जो नाता तोड़ेगा, वह एक दिन दुनिया छोड़ेगा.
- खुद के जीवन को अगर है बढ़ाना, हमेशा सुरक्षा नियमों को अपनाना.
- काम के बाद काम के साथ, आपकी सुरक्षा आपके हाथ.
- नसीब समझ कर छोड़ो मत, सुरक्षा नियम को तोड़ो मत.
- लगाओ काम पर सुरक्षा का पहरा, फिर ले जाओ घर मुस्कुराता चेहरा.
- अपने कार्य की हरदम करो समीक्षा, सुरक्षा से काम करने पर प्रबल होगी इच्छा.
- हर कार्य के पहले जानो, सुरक्षा के हर मापदंड को पहचानो.

**सार्वभौमिक संदेश**

- सुरक्षित ढंग से काम हो, सारे सपने साकार हो.
- सुरक्षा से बगावत, दुर्घटना को दावत.
- काम से अगर नज़र हटेगी, तो भाई ज़रूर दुर्घटना घटेगी.
- कश्मीर हो या कन्याकुमारी, काम में सुरक्षा है बहुत ज़रूरी.
- यह इतिहास गवाह है, बिना सुरक्षा तबाही है

*सीनियर इलेक्ट्रीशियन*
*लांजीबेरना लाइमस्टोन एंड डोलोमाइट माइंस, डालमिया सीमेंट*

# प्रगति का आधार: सुरक्षा और व्यापार

रनाजित महाकुद्

खनन से ही जुड़ा हुआ है, देश का हर अरमान, धरती  की इन गहराइयों में, छिपा हुआ  वरदान।

कोयला, लोहा और खनिज ये,देते सुख-सत्कार, खनन ही है खुशहाली,

इसका गौरव है अपार।

किंतु तरक्की की राहों में, भूल न जाना धर्म, सबसे ऊपर मान के चलना,

सुरक्षा का यह कर्म।

नियमों का जब पालन होगा, सुरक्षित हर इक जान, तभी बनेगा सफल और, ऊँचा यह

संस्थान।

हेलमेट, जूते और बेल्ट, हैं जीवन के हथियार, इनको पहन के ही करना, खतरों के पार

प्रहार।

सावधानी जो हटी यहाँ तो, हो सकता नुकसान, सजग रहेंगे हम सभी तो, बढ़ेगा देश

का मान।

समृद्धि की सीढ़ी चढ़ें हम, सुरक्षा के साथ, हाथों में लेकर चलें हम, उन्नति का

विश्वास।

‘‘सुरक्षा ही प्राथमिकता, यही हमारा मिंत्र, खुशहाल बनेगा खनन से, भारत का हर

तंत्र।

# ସୁରକ୍ଷା ହେଉ ଆମ ଜୀବନ ମନ୍ତ୍ର

କେଶବାନନ୍ଦ ଘଡ଼େଇ

ଲୋହ ପାହାଡ଼ର ନିରବ ହୃଦୟେ,
ଗଜଗଜ ଧ୍ୱନି ଶ୍ରମର ସ୍ୱର
ମାନବ ଘାମରେ ଲେଖୁଛି ଇତିହାସ,
ଉନ୍ନତିର ନୂଆ ଅଧ୍ୟାୟ ଭରି ପ୍ରତିଦିନ ନୂଆ ଦୃଶ୍ୟର ଚିତ୍ର।
କିନ୍ତୁ —
ଏକ ମାତ୍ର ଅସାବଧାନ ପଦକ୍ଷେପ,
ଏକ ମୁହୂର୍ତ୍ତର ଅଳସ ମନ,
ସ୍ୱପ୍ନକୁ ଭାଙ୍ଗି ଦେଇପାରେ,
ଆନନ୍ଦକୁ କରିପାରେ ଶୋକର ଜନ୍ମସ୍ଥାନ!
ଡମ୍ପର ଦୌଡ଼େ ହଲ୍ ରୋଡ଼ ଉପରେ,
ଡ୍ରିଲ୍ ଧ୍ୱନି କାଟେ ନିରବତା,
ବ୍ଲାଷ୍ଟିଂ ପୂର୍ବ ସାଇରେନ୍ ଡାକେ —
''ସତର୍କ! ସତର୍କ!'' ଦେଉଛି ସଚେତନତା।
ହେଲମେଟ୍ ମାତ୍ର ଟୋପି ନୁହେଁ,
ଏହା ଜୀବନର ରକ୍ଷା କବଚ,
ସେଫ୍ଟି ବୁଟ୍ କେବଳ ଜୁତା ନୁହେଁ,
ପ୍ରତି ପାଦକୁ ରକ୍ଷା କରୁଥିବା ସଚେତନ ସହଚର।
ଘରେ ଥାଏ ମା'ର ଆଶାଭରା ଦୃଷ୍ଟି,
ସନ୍ତାନ ଅପେକ୍ଷା କରେ ହସିଥିବା ମୁହଁ,
ସଙ୍ଗୀନୀର ପ୍ରାର୍ଥନା ଆକାଶ ଛୁଏ —
''ସୁସ୍ଥ ଫେରନ୍ତୁ'' ସେହି ଏକମାତ୍ର ଅଭିଲାଷ ଥାଏ ହୃଦୟ ମଧ୍ୟରେ
ଗୁଞ୍ଜି ରହୁଥିବା ସ୍ୱର।
ସୁରକ୍ଷା କେବଳ ନିୟମ ନୁହେଁ,
ନୁହେଁ କାଗଜର ଲେଖା ଶବ୍ଦ,
ଏହା ହେଉଛି ଜୀବନର ପ୍ରତିଜ୍ଞା,
ପ୍ରତ୍ୟେକ ଶ୍ରମିକର ପବିତ୍ର ସଙ୍କଳ୍ପ!
ଆସନ୍ତୁ, ଏହି ୪୩ତମ ସେଫ୍ଟି ୱିକ୍ ଅବସରରେ,
ନେବା ଆମେ ସାମୁହିକ ଶପଥ -
''ପ୍ରଥମେ ସୁରକ୍ଷା, ପରେ କାମ''
ଏହି ହେଉ ଆମ ଜୀବନର ସତ୍ୟ ଧର୍ମପଥ!
ନିରାପଦ ଖଣି - ସୁଖୀ ପରିବାର,
ସଚେତନ ଶ୍ରମ - ଉନ୍ନତିର ଆଧାର!

ସାଦର ସମ୍ମାନସହ।

---

କାସିଆ ଆଇରନ୍ ଏଣ୍ଡ ଡୋଲୋମାଇଟ୍ ମାଇନ୍ସ

# ଖଣି ନିରାପତ୍ତା ସପ୍ତାହ କବିତା

ସତ୍ୟବ୍ରତ ନାୟକ

ମସ୍ତିଷ୍କ ସୁରକ୍ଷା ମସ୍ତକ କରଇ
ମସ୍ତକ ସୁରକ୍ଷା ସିଏ,
ଶିରସ୍ତ୍ରାଣ ଅବା ହେଲମେଟ୍ ହୋଇ
ମସ୍ତକେ ବିରାଜୁ ଥାଏ ॥

ସ୍ୱୟଂ ପାଦ ହୀତା ସୁରକ୍ଷତି ଜୋତା
ପାଦେ ପାଦେ ରକ୍ଷା କରେ,
କରରେ ଗ୍ଲୋବ୍ସ ମାନେ ହସ୍ତବସ୍ତ୍ର
ଥିଲେ ଦୁର୍ଘଟଣା ଡରେ ॥

ଆଖି ରକ୍ଷୀ ରାମା ସୁରକ୍ଷା ଚଷମା
ଭୁଲିବାନି ଆମେ ଜମା,
ଧୂଆଁ ଧୂଳି ଠାରୁ ନିରାପଦେ ଥାଉ
ଖଣିର ରଖି ଗାରିମା ॥

ଖଣି ନିରାପତ୍ତା ସପ୍ତାହରେ ବାର୍ତ୍ତା
ନିଜ ନିରାପତ୍ତା କଥା
ବଖାଣିଲୁ ଯାହା ପାଳନ କରିଲେ
ନଥିବ ବିପଦ ଚିନ୍ତା ॥